लखनऊ
सोमवार, 02 अक्टूबर 2023
वर्षः-08 अंकः-10
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

अवसर का इंतजार नहीं निर्माण करना सीखो।।

अब हर माह होगी थानेदार से लेकर एडीजी तक की समीक्षा, एक-एक दिन का देना होगा हिसाब

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए अधिकारियों को जिला स्तर से लेकर जोन स्तर पर समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए हैं. उन्होने कहा कि समीक्षा बैठक में अपराधिक घटनाओं से लेकर पेंडिंग मामलों परचर्चा हो और लापरवाही करने वालों पर एक्शन लिया जाए, उन्होंने कहा कि हर घटना एक सबक होती है, इससे फील्ड में तैनातअधिकारी सीख लें और एक्टिव रहें ताकि दोबारा ऐसी घटनाएं प्रदेश में न हों और समय रहते उनको रोका जा सके, इस दौरान शोहदोंपर नकेल कसने के लिए दोबारा एंटी रोमियो अभियान चलाने के निर्देश दिए, वहीं सीएम ने प्रदेश में जिला स्तर पर साइबर क्राइम थानाऔर थाना स्तर पर साइबर सेल का गठन करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में प्रदेश में आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने, शिकायती पत्रों केशत प्रतिशत निस्तारण, चार्ज शीट और पेंडिंग मामलों के तेजी से निस्तारण को लेकर जिले के एसएसपी/एसपी को हर थाने की साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिए. इसी तरह एडीजी आईजी रेंज की पाक्षिक और डीजीपी एडीजी जोन की मासिक समीक्षाबैठक करें, सीएम ने कहा कि हर घटना एक सबक है, अंबेडकरनगर की घटना से पुलिस अधिकारी सबक लें और दोबारा ऐसी घटना नहो इसको लेकर अलर्ट रहें, पूरे प्रदेश में शोहदों पर नकेल कसने के लिए दोबारा एंटी रोमियो स्क्वाड को एक्टिव किया जाए औरअभियान चलाकर कार्रवाई की जाए, जिला मॉनिटरिंग कमेटी (डीएम, एसपी/एसएसपी कमिश्नर, जिला जज) की बैठक निरंतर होतीरहे ताकि समय से चार्जशीट दाखिल होती रहे, इसमें पॉक्सो और महिला अपराध पर खास फोकस रखा जाए. वहीं लव जिहाद केमामलों में नए कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

सोशल मीडिया की निगेटिव खबरों पर रखें पैनी नजर

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के लगभग सभी थाने सीसीटीवी से लैस हो गये हैं, जहां काम चल रहा है वहां एक हफ्ते में पूरा कियाजाए. अभी रेंज स्तर पर साइबर क्राइम थाने बने हैं. अब इसे जिला स्तर पर बनाने की कार्रवाई शुरू की जाए. इसी तरह जिला स्तर परसाइबर सेल संचालित हैं. इसे भी थाना स्तर पर संचालित करने के लिए कार्यवाही शुरू की जाए. इसके लिए पुलिसकर्मियों कोप्रशिक्षण दिया जाए. वहीं थाना स्तर पर साइबर सेल के संचालन के बाद भी साइबर हेल्प डेस्क का संचालन बंद न हो इसका विशेषध्यान रखें. सीएम ने थाने स्तर से लेकर एसपी/एसएसपी/कमिश्नर स्तर पर सोशल मीडिया पर निगेटिव खबरों को लेकर पैनी नजर रखनेको कहा है ताकि प्रदेश में शांति का माहौल बरकरार है. प्रदेश में त्योहारों का सीजन शुरू हो रहा है. इस दौरान कुछ असामाजिक तत्वसोशल मीडिया पर एक्टिव हो जाते

हैं. ऐसे लोगों की लिस्ट बनाकर कार्रवाई करें. प्रदेश में निवेश का माहौल है. इससे सभी को समझनाहोगा. निवेशकों को कोई परेशानी न हो और उनकी समस्या का बिना देरी किए निस्तारण हो इसके लिए हर थाने में निवेशक मित्र तैनातकिया जाए. इसी तरह प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं. ऐसे में पर्यटकों को सहायता के लिए थाने में पर्यटक मित्र पुलिस कीतैनाती हो. उन्होंने कहा कि संवाद से ही समस्या का समाधान निलकता है, इसे ध्यान में रखते हुए थानेदार ग्राम चौकीदार के साथ बैठककरें और क्षेत्र की गतिविधियों को लेकर चर्चा करें।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW

पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी

Admission Open

7880341111

www.dnmiet.ac.in

एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

बुलडोजर के खौफ से बदमाशी,

डकैती व हत्या में भारी कमी

▶▶मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखी गयी 8 माह में समस्त जिलों में हुए जघन्य अपराधों की पूरी रिपोर्ट

▶▶सीएम ने अपराध रोकने में अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों के पुलिस अधिकारियों की थपथपाई पीठ

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। प्रदेश की कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों पर लगामलगाने के प्रयासों में जुटे सीएम योगी को इसमें लगातार कामयाबी मिल रही है। हाल ही में एनेक्सी में कानून व्यवस्था की हाई लेवलमीटिंग में तब इसकी पुष्टि हुई, जब यूपी पुलिस के उच्च अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष पिछले आठ माह कीरिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रदेश में पिछले 6 वर्षों में जघन्य अपराध हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार के मामलों में काफी कमीदर्ज की गयी है। बैठक में इन मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करने और लगाम लगाने वाले टॉप फाइव और बॉटम 5 जिलों की रिपोर्टप्रस्तुत की गयी। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों के अधिकारियों को सुधार लाने के निर्देश दियेहैं। उन्होंने कहा कि अगले माह की बैठक में उनकी रिपोर्ट संतोषजनक नहीं मिली तो एक्शन लिया जाएगा।

चंदौली, औरेया और ललिपुर को सीएम ने दी चेतावनी

उत्तर प्रदेश में पिछले आठ माह में हत्या के 1921 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें से 1322 में आरोप पत्र एवं 90 में अन्तिम रिपोर्टलगायी। वहीं 509 विवेचनाधीन हैं। पिछले 6 वर्षों में प्रदेश में हत्या में 9.02 प्रतिशत की कमी आयी है। उक्त अभियोगों में संलिप्त4705 अभियुक्तों में से 4230 अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही गयी तथा 475 अभियुक्त वांछित हैं, जिसके लिये लगातार छापेमारीकी जा रही है। वहीं महोबा, श्रावस्ती, सीतापुर, जालौन और कौशाम्बी में मामले बढ़े हैं। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसजिलों के अधिकारियों को इन पर लगाम लगाने के निर्देश दिये हैं। वहीं हत्या के मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करने वालों में अमरोहा, झांसी, जालौन और हरदोई शामिल हैं, जबकि चंदौली, औरेया, ललितपुर और बांदा का प्रदर्शन खराब रहा है। इस सीएम ने इन जिलोंके अधिकारियों को सुधारने लाने के साथ सख्त चेतावनी दी है।

लूट को रोकने में महाराजगंज और कासगंज अव्वल

इसी तरह प्रदेश में लूट के 789 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें से 589 में आरोप पत्र एवं 20 में अन्तिम रिपोर्ट लगायी। वहीं 180 विवेचनाधीन हैं। पिछले आठ माह में प्रदेश में लूट के 24.61 प्रतिशत की कमी आयी है। उक्त अभियोगों में संलिप्त 2222 अभियुक्तों मेंसे 2118 अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही गयी तथा 104 अभियुक्त वांछित हैं, जिसके लिये लगातार छापेमारी की जा रही है। वहींमहाराजगंज, ललितपुर, संतकबीरनगर, बलरामपुर और कासगंज में मामले बढ़े हैं। लूट के मामले में एकाएक कार्रवाई करने वाले जिलोंमें फिरोजाबाद, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर और पीलीभीत शामिल हैं जबकि प्रयागराज कमिश्नरेट, कौशांबी, देवरिया, अमेठीऔर महोबा का प्रदर्शन खराब रहा।

प्रदेश में डकैती में 16.22 प्रतिशत की आयी कमी

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेशभर में डकैती के 30 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें 18 मेंआरोप पत्र दाखिल किए गए हैं। वहीं 12 मामले विवेचनाधीन हैं। पिछले 6 वर्षों में प्रदेशभर में डकैती में 16.22 प्रतिशत की कमीआयी। इन अभियोगों में संलिप्त कुल 224 अभियुक्तों में से 200 अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही की गयी तथा 24 अभियुक्त वांछितहैं। वहीं कुछ जिलों में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसमें वाराणसी कमिश्नरेट, झांसी, अमेठी, औरैया और कन्नौज शामिल हैं। वहीं फिरोजाबाद, बाराबंकी, सीतापुर, ललिपुर और कासगंज ने डकैती के मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करने में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि कन्नौज, हाथरस, बदायूं, औरेया और प्रयागराज कमिश्नरेट का प्रदर्शन खराब रहा।

रेप के मामलों में भी तेज गति से हुई कार्रवाई

इसी तरह प्रदेश में रेप के 1869 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें 1359 में आरोप पत्र एवं 220 में अन्तिम रिपोर्ट प्रेषित की गयी।वहीं 290 विवेचनाधीन हैं। इन अभियोगों में संलिप्त कुल-2578 अभियुक्तों में से 2325 अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवई की गयी तथा253 अभियुक्त वांछित हैं। बलात्कार में कुछ जिलों में वृद्धि हुई है, जिसमें फतेहगढ़, सीतापुर, खीरी, कौशांबी और हमीरपुर हैं। वहींबलात्कारियों पर कहर बन तेजी से कार्रवाई करने वाले टॉप 5 जिलों में बदायूं, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा और संभल शामिल हैंजबकि प्रयागराज कमिश्नरेट, शाहजहांपुर, बलरामपुर, कौशाम्बी और फतेहपुर का प्रदर्शन काफी खराब रहा।

वृद्धजन हमारे समाज की अनमोल विरासत हैं, उनकी

सेवा व सम्मान करना हमारा दायित्व : डॉ. राजेश्वर

वृद्धाश्रम के वृद्धजनों के सुविधा, संसाधन में प्रसार के लिए डॉ. राजेश्वर सिंह ने सीएम को लिखा पत्र, शासन द्वारा मिला सकारात्मक आश्वासन

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह समाज के वृद्धजनों की सेवा, सम्मान, सहायता करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धजन जो अपने परिवार से दूर रहते है, डॉ. राजेश्वर सिंह एक बेटे की तरह उनकी सभी समस्याओं को दूर करनेतथा उन्हें हर सुविधा संसाधन का लाभ भी पहुंचने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

वृद्धजनों की सेवा के अपने संकल्प को पूर्ण करने के क्रम में डॉ. राजेश्वर सिंह ने 4 अगस्त 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोएक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने वृद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं से संबंधित कई पहलुओं का उल्लेख किया गया थाजिस पर उन्हें शासन की ओर से सकारात्मक आश्वसन प्राप्त हुआ है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने पेंशन लाभ की सुविधा के लिए नियमों को शिथिल किए जाने का सुझाव दिया था जिस पर शासन की ओर सेप्रदेश के जनपदों के वृद्धाश्रमों में रहने वाले वृद्धजनों, जिन्हें विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पार रहा है, उनका आधार कार्डएवं आय प्रमाण पत्र बनवाकर उनकी पात्रता का परीक्षण कर पेंशन दिलाने के लिए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

सरोजनीनगर विधायक ने वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड के लिए मोबाइल ओटीपी की समस्या, रेटिना स्कैनिंग, लेबर कार्ड, राशन कार्डआदि की अनिवार्यता से राहत दिलाने की भी बात लिखी थी जिस पर शासन की ओर से जिन वृद्धों के कार्ड नहीं बना है, उनके कार्डबनवाकर उन्हें इस योजना से जोड़ने के निर्देश निर्गत किए गए हैं। इसी तरह जिनका वोटर आईडी कार्ड नहीं बना है, उसे बनवाने का भीजिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है। पत्र के माध्यम से डॉ. राजेश्वर सिंह ने वृद्धजनों की स्वास्थ्य सेवाओं का ध्यान रखते हुए उन्होंने प्रत्येक वृद्धाश्रम पर एंबुलेंस की सुविधा, तिमाही हेल्थ चेकअप, निशुल्क दवाएं, डेंटल एवं

ऑथोपेडिक जांच आदि को अति महत्वपूर्ण बताया तथा चिकित्सा भत्ता बढ़ाने काआग्रह किया था।

इस पर शासन द्वारा एनपीएचसीई कार्यक्रम के अंतर्गत मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर, नेत्र रोग आदि के परीक्षण व उपचार कराए जानेके लिए वृद्धाश्रमों में 01 मनोरोग विशेषज्ञ, 01 क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट / काउंसलर को सम्मलित कर एक टीम का गठित कर हरमहीने में दो बार स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन के साथ साथ समुचित चिकित्सा व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं तथा यह भीबताया गया कि समस्त वृद्धाश्रमों में प्राथमिक उपचार कक्ष बने हुए हैं जिसमें आवश्यक दवाईयां उपलब्ध रहती है। वृद्धाश्रमों में प्रशिक्षितनर्सिंग स्टाफ भी रहता है जिसके द्वारा प्राथमिक उपचार किया जाता है। आकस्मिकता की स्थिति में एंबुलेंस की व्यवस्था कर सीएचसी / पीएचसी पर उपचार कराया जाता है।

विधायक ने वृद्धजनों के मनोविनोद के लिए परिवहन विभाग एवं पर्यटन विभाग के सहयोग से प्रत्येक तिमाही भ्रमण कार्यक्रम कराए जानेका आग्रह किया था जिस पर शासन की ओर से मनोरंजन व तीर्थयात्रा की उचित व्यवस्था करने के लिए वृद्धाश्रमों के संचालकों केनिदेशकों को निर्देश जारी हुए हैं।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया नवनियुक्त जिला अध्यक्षों का सम्मान

▶▶डॉ. राजेश्वर सिंह ने भाजपा कार्यकाताओं में भरा जोश, कहा– 2024 लोकसभा चुनाव में भारी मतों से जीतेगी भाजपा

▶▶वरिष्ठ नागरिकों देश के वास्तविक स्वर्ण भंडार, उनकी सेवा, सुरक्षा व सम्मान करना हमारा दायित्व : डॉ. राजेश्वर सिंह

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी आदर्शों पर बनी पार्टी है, भारत को भविष्य की ओर ले जाने वाली पार्टी है, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिएसमर्पित पार्टी है। भाजपा में कोई पद नहीं होता, यह दायित्व है, जनसेवा का, राष्ट्रोत्थान का। आज हमारे शीर्ष नेतृत्व के कारण ही भारतका विश्व में परचम लहरा रहा है।

यह सब बातें सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहीं। मौका था विधायक के आशियाना आवास पर नवनियुक्त नवनियुक्तअध्यक्ष अवध क्षेत्र, जिला अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष का स्वागतझसम्मान समारोह का। इस कार्यक्रम में डॉ. राजेश्वर सिंह ने अवधक्षेत्र अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, जिलाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी को सम्मानित किया। साथ ही अपने उद्बोदनसे पदाधिकारियों और कार्यकताओं में जोश भरा और भाजपा को आगामी ?चुनाव में विजयी बनाने का संकल्प लिया।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकता मौजूद रहे। सभी कार्यकताओं जोशसे भरे हुए तथा अत्यंत उत्साहित दिखे, नव नियुक्त जिला अध्यक्ष विनय ने प्रताप सिंह डॉ. राजेश्वर सिंह का आभार जताते हुए उनके बारेमें बताया कि वह क्षेत्र में जहां भी जाते हैं लोग विधायक की तारीफ करते नहीं थकते, आज तक एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं मिला जिसनेये कहा हो कि विधायक राजेश्वर सिंह के पास कोई काम लेकर जाओं और पूरा न हो।

महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सरोजनीनगर के सभी कार्यकताओं को एकसूत्र मेंबांधकर रखना है। सरोजनीनगर में निरंतर विकास हो रहा है जिसका श्रेय विधायक डॉ. राजेश्वर को जाता है।

अवध क्षेत्र अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि डॉ. राजेश्वर सिंह की के बारे में नकारात्मक प्रतिक्रिया कभी कहीं देखने को नहीं मिली।सभी जनप्रतिनिधियों को डॉ. राजेश्वर सिंह से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके द्वारा किए गए कार्यों से सरोजनीनगर का उद्धार हो रहा है। हरवर्ग के लिए वो कार्य कर रहे हैं। सीएसआर के माध्यम से जनकल्याण कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुएजी20 सम्मेलन में पूरी दुनिया ने भारत की शक्ति और समृद्धि देखी। भारत आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। गृहमंत्रीअमित शाह ने जब से पदभार संभाला है तब से देश में बमझधमाके बंद हो गए है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में हमारे बॉर्डरसुरक्षित हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा निरंतर बढ़ रही है।

यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नई ऊंचाईयों को छू रहा है। प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन के रुप में आगे बढ़ रहा है। ईज ऑफडूइंग बिजनेस में 14वें से दूसरे स्थान पर, 5 अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला देश का अकेला राज्य है, 10 शहरों में मेट्रो चल रही हैं, माफियाप्रदेश छोड़कर भाग गए, महिलाएं बेटियां सुरक्षित हैं। यूपी भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा का परचमलहारा रहा है। विधानसभा चुनाव हो, ?नगर निगम का चुनाव, एमएलसी का चुनाव हो, चाहे कोई चुनाव हो, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व केमार्गदर्शन में, कार्यकाताओं के परिश्रम से भाजपा निरंतर जीत रही है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने आगे कहा कि भारत के 16 राज्यों में भाजपा की सरकार है, भाजपा 2 से 303 लोकसभा सांसद तक पहुंची है। हमेंभारत को जोड़े रखना है। हमारे समाने कई चुनौतियां हैं, सनातन धर्म का अपमान किया जा रहा है, देश को धर्म और ?जाति के नाम परबांटने की कोशिश की जा रही है, लेकिन भाजपा के कार्यकर्ता ऐसा कदापि नहीं होने देंगें। हमारा लक्ष्य है कि दुनिया की नंबर 1 अर्थव्यवस्था बनें, अंत्योदय का लाभ मिले, जन कल्याणकारी योजनाएं सभी तक पहुंचे। इसके लिए हमें पुनः भाजपा को विजयी बनानेका संकल्प लेना है। भारत का मजबूत बनाने के लिए 2024 लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनाना है।

कार्यक्रम के अंत में विधायक राजेश्वर सिंह ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों तथा उपस्थित सभी कार्यकताओं के साथ रात्रिभोज भीकिया, कार्यक्रम में भोजन से लेकर हर प्रकार की उचित व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल, मंडल अध्यक्ष पुष्कर शुक्ला, उपाध्यक्ष अवध क्षेत्र गोविंद पांडे, राजेश सिंह चौहान, सरोजनीनगरविधानसभा के समस्त मंडल अध्यक्ष, समस्त पाषर्दगण तथा कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

पर्वतारोही को किया सम्मानित

इस दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने एनसीसी कैडेट और पर्वतारोही कुमारी शालिनी सिंह को भी सम्मानित किया। लखनऊ की एनसीसीकैडेट शालिनी सिंह उन्नत पर्वतारोहण पाठ्यक्रम को पूरा करने वाली भारत की पहली महिला कैडेट हैं।

पहाड़पुर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन, विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

करण वाणी, न्यूज

सरोजनीनगर/लखनऊ।

पहाड़पुर गाँव स्थित भैरो बाबा मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के समापन के मौके पर शनिवार को हवन और विशालभंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में 3 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं कापहुंचना शुरू हो गया। विधिवत पूजा अर्चना और हवन के बाद 01 बजे भंडारा शुरू हुआ। कथा वाचक पंडित सोनू हरि महाराज जी ने 7 दिन तक चली कथा में भक्तों को श्रीमद भागवत कथा की महिमा बताई।

दरअसल अपना दल एस के नेता लालता सिंह ने भागवत कथा का सात दिवसीय आयोजन कराया था। 23 से 29 सितंबर तक चलनेबाले धार्मिक आयोजन में हजारों की संख्या में धर्म प्रेमियों ने पहुंच कर धर्म लाभ लिया व श्रीमद् भागवत कथा के संपन्न होने पर प्रसादग्रहण किया।

तो वहीं कथावाचक सोनू हरि महाराज ने लोगों से भक्ति मार्ग से जुड़ने और सत्कर्म करने को कहा। महाराज ने कहा कि हवनझयज्ञ सेवातावरण व वायुमंडल शुद्ध होने के साथझसाथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है। साथ ही व्यक्ति में धार्मिक आस्था जागृत होती है।

श्रीमद भागवत से जीव में भक्ति, ज्ञान व वैराग्य के भाव उत्पन्न होते हैं। इसके श्रवण मात्र से व्यक्ति के पाप पुण्य में बदल जाते हैं।विचारों में बदलाव होने पर व्यक्ति के आचरण में भी स्वयं बदलाव हो जाता है।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर दिल्ली में उमड़ा सरकारी कर्मचारियों का जनसैलाब

नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के तहत में कर्मचारियों ने केंद्र के समक्ष अपनी मांग उठाने के लिए एक रैलीका आयोजन किया, पेंशन शंखनाद महारैलीह्य का आयोजन मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के बजाय पुरानी पेंशन योजना कोलागू करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली की मांग को लेकर देशभर से हजारों सरकारी कर्मचारी रविवार को राष्ट्रीयराजधानी के रामलीला मैदान में जुटे. नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के तत्वावधान में कर्मचारियों ने केंद्र केसमक्ष अपनी मांग उठाने के लिए एक रैली का आयोजन किया. ह्यपेंशन शंखनाद महारैलीह्ल का आयोजन मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना(एनपीएस) के बजाय पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

रैली के आयोजकों ने कहा कि चार राज्य पहले ही ओपीएस लागू करने की घोषणा कर चुके हैं तो केंद्र इसे लागू क्यों नहीं कर सकता. देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों सरकारी कर्मचारियों ने रामलीला मैदान में रैली में हिस्सा लिया. यह रैली तब आयोजित की जा रही है, जब केंद्र इस साल मार्च में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को चुनने का एकमुश्त विकल्प लेकर आया था।

कार्मिक मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, जो कर्मचारी 22 दिसंबर 2003, जिस दिन एनपीएस अधिसूचित किया गया था, सेपहले विज्ञापित या अधिसूचित पदों पर केंद्र सरकार की सेवाओं में शामिल हुए, वे केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 (अब2021) के तहत पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के लिए पात्र हैं।

सरकारी कर्मचारियों का चुनिंदा समूह 31 अगस्त, 2023 तक इस विकल्प को चुन सकता है, मंत्रालय ने कहा था कि एक बार इस्तेमालकिया गया विकल्प अंतिम होगा. इस संबंध में विभिन्न अभ्यावेदन, संदर्भ और अदालती फैसलों के बाद यह कदम उठाया गया है. आदेशमें कहा गया है कि अब यह फैसला लिया गया, उन सभी मामलों में जहां केंद्र सरकार के सिविल कर्मचारी को किसी पद या रिक्ति केविरुद्ध नियुक्त किया गया है, जिसे एनपीएस के लिए अधिसूचना की तारीख यानी 22 दिसंबर 2003 से पहले भर्ती/नियुक्ति के लिएविज्ञापित/अधिसूचित किया गया था और 1 जनवरी 2004 को या उसके बाद सेवा में शामिल होने पर एनपीएस के तहत कवर कियागया है, सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 (अब 2021) के तहत कवर करने के लिए एक बार विकल्प दिया जा सकता है।

आदेश में कहा गया था कि वे सरकारी कर्मचारी जो विकल्प का प्रयोग करने के पात्र हैं, लेकिन जो निर्धारित तिथि तक इस विकल्प काप्रयोग नहीं करते हैं, उन्हें राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली द्वारा कवर किया जाना जारी रहेगा. ओपीएस के तहत कर्मचारियों को एक परिभाषितपेंशन मिलती है. एक कर्मचारी पेंशन के रूप में अंतिम आहरित वेतन की 50 प्रतिशत राशि का हकदार है. ओपीएस को एनडीए सरकारने 2003 में 1 अप्रैल 2004 से बंद कर दिया था. वहीं एनपीएस के तहत कर्मचारी अपने मूल वेतन का 10 प्रतिशत पेंशन के लिएयोगदान करते हैं जबकि सरकार 14 प्रतिशत का योगदान करती है।

यूपी के देवरिया में खूनी संघर्ष

1 की हत्या का बदला 5 लोगों को काटकर लिया

करण वाणी, न्यूज

बीते दिन पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव की धारदार हथियार से नृशंस हत्या हुई थी. आज सुबह प्रेम का शव मिलने के बाद उसके परिजनों ने प्रकाश दुबे के घर पर धावा बोल दिया और परिवार के पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी. जमीनी विवाद में हुए इस हत्याकांड से पूरा इलाका दहल उठा. पांच लोगों की हत्या में धारदार हथियार को प्रयोग करने की भी बात सामने आ रही है।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में जमीनी विवाद के चलते दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया. इस दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग से पूरा इलाका दहल उठा. मामले में अभी तक 6 लोगों की मौत की खबर है. जबकि कई लोग घायल भी हुए हैं. फिलहाल, मौके पर भारी पुलिस फोर्स मौजूद है. बताया जा रहा है कि गोली मारकर और धारदार हथियार से काटकर हत्या की गई है. गांव में तनाव को देखते हुए एसपी डॉ. संकल्प शर्मा ने बताया कि मौके पर पीएसी भेजी जा रही है.

पूरा मामला थाना रुद्रपुर के निकट फतेहपुर गांव का है. जहां दो पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर पुरानी रंजिश चल रही थी. इसी के चलते आज सुबह उनके बीच खूनी झड़प हो गई. जिसमें 6 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई. घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. फिलहाल, गांव में तनाव का माहौल है. पुलिस ने कुछ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

फतेहपुर गांव में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है. 6 मौतों से पुलिस-प्रशासन सकते में है. वारदात वाली जगह पर खुद डीएम, एसपी समेत कई आला अफसर पहुंच चुके हैं. पीएसी को भी लगाया जा रहा है.

एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या

मरने वालों में एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं. जबकि दूसरे पक्ष से एक शख्स की मौत हुई है. ये हत्याएं गोली मारकर और धारदार हथियार से की गई हैं. जमीनी विवाद में सोमवार की सुबह इस वारदात को अंजाम दिया गया है. घर के बाहर ही एक पक्ष के सभी लोगों को गोली मारी गई है. इन पांच लोगों की हत्या में धारदार हथियार को प्रयोग करने की भी बात सामने आ रही है. वहीं, दूसरे पक्ष से जिस शख्स की हत्या हुई है वो पूर्व जिला पंचायत सदस्य है।

कैसे हुई ये खूनी झड़प?

बताया जा रहा है कि जमीनी विवाद में पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव की धारदार हथियार से नृशंस हत्या कर दी गई थी. प्रेम यादव की हत्या के बाद आक्रोशित परिजनों ने गांव के ही सत्य प्रकाश दुबे के घर में घुसकर पांच सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी. इस हत्याकांड में एक लड़की की हालत नाजुक है. उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है. इस हत्याकांड के बाद दोनों ही पक्षों के घरों के साथ-साथ पूरे गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है।

मौके पर भारी पुलिस फोर्स मौजूद है

स्थानीय लोगों की माने तो सत्य प्रकाश दुबे और प्रेम यादव के बीच काफी दिनों से जमीन का विवाद चल रहा था. अक्सर तनातनी होती थी. ऐसे में जब प्रेम यादव की धारदार हथियार से नृशंस हत्या हुई तो बदले में प्रकाश दुबे के परिवार के लोगों की हत्या गोली मारकर और धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई. जिससे पूरा इलाके में सनसनी फैल गई है।

चुकंदर की इन किस्मों से होगी लाखों की कमाई और ज्यादा पैदावार

चुकंदर की खेती : जानें, चुकंदर की इन किस्मों की विशेषता और लाभ

करण वाणी, न्यूज

किसान चुकंदर की खेती से काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। चुकंदर एक बहुत ही लाभकारी फल होता है। इसके सेवन से शरीर में खून बढ़ता है। यही कारण है कि एनिमिक लोगों को डाक्टर चुकंदर का सेवन करने की सलाह देते हैं। इसके सेवन से शरीर में खून बनना शुरू हो जाता है। इसके इसी गुण के कारण इसे औषधी के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे कच्चा खाना या इसका रस पीना दोनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है। गाजर के साथ चुकंदर का इस्तेमाल ज्यूस बनाने में किया जाता है। इसकी बाजार मांग भी काफी अच्छी रहती है और इसके भाव भी बेहतर मिल जाते हैं। इसे देखते हुए यदि किसान इसकी खेती करें तो इससे काफी अच्छा पैसा कमाया जा सकता है। इसकी खेती में बेहतर पैदावार प्राप्त करने के लिए इसकी उन्नत किस्मों का चयन किया जाना बेहद जरूरी है।

चुकंदर में पाए जाने वाले पोषक तत्व

चुकंदर में बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं जो हमारे शरीर के लिए लाभकारी होते हैं। इसमें काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, फैट और डाइटरी फाइबर जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। इसके अलावा चुकंदर में विटामिन सी, विटामिन बी-6, राइबोफ्लेविन और थायमिन विटामिन होता है। इसमें आयरन, कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम भी पाया जाता है।

चुकंदर की टॉप 7 किस्में

चुकंदर की कई प्रकार की किस्में पाई जाती है जिनसे अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से आपको चुकंदर की उन्नत किस्मों में से टॉप 7 किस्मों की जानकारी दे रहे हैं जिनसे बेहतर पैदावार के साथ ही अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

1. अर्ली वंडर

चुकंदर की इस किस्म की जड़ें चिपटी होने के साथ ही चिकनी और लाल सतह वाली हाती हैं। यह अंदर से लाल होती है और इसकी पत्तियां हरे रंग की होती हैं। यह किस्म 55 से 60 दिन की अवधि में पककर तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार सामान्य किस्म से अधिक मिलती है।

2. शाइन रेडबॉल

चुकंदर की शाइन रेडबॉल किस्म का कंद गोल व गहरे लाल रंग का होता है। इस किस्म के पौधे की ऊंचाई 30 से 32 सेंटीमीटर तक होती है। यह किस्म रबी, जायद और खरीफ तीनों सीजन में उगाई जा सकती है। इस किस्म के कंद का वजन 150 से 180 ग्राम तक होता है। इस किस्म को पककर तैयार होने में 50 से 60 दिन का समय लगता है।

3. अशोका-रेडमेन

अशोका-रेडमेन किस्म की पत्तियां

चौड़ी होती है और इसका मध्य शिरा गुलाबी रंग का होता है। इसके कंद चिकने, गोल, तिरछे तथा लाल रंग के होते हैं। इसके कंद का वजन 150 से 180 ग्राम तक होता है। इस किस्म में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है। इस किस्म को जायद, रबी और खरीफ तीनों सीजन में उगाया जा सकता है। इसकी फसल 65 से लेकर 70 दिन में पककर तैयार हो जाती है।

4. क्रिमसन ग्लोब

चुकंदर की क्रिमसन ग्लोब किस्म मध्यम आकार की होती हैं। इसकी जड़ें मध्यम और छिलका लाल रंग का होता है। इसके पत्ते चमकदार हरे रंग के होते हैं। इस किस्म की औसत पैदावार 80 क्विंटल प्रति एकड़ मिलती है।

5. मिश्र की क्रास्बी

चुकंदर की यह किस्म चिपटी जड़ों के साथ चिकनी सतह वाली होती है। यह किस्म अंदर से गहरे परपल लाल रंग की होती हैं। इस किस्म की बुवाई से करीब 50 से 60 दिन की अवधि में पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

6. कलश एक्शन

चुकंदर की इस किस्म की बुवाई रबी, खरीफ और जायद तीनों सीजन में की जा सकती है। यह किस्म 50 से 55 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसके फल बहुत ही आकर्षक और गहरे लाल रंग के होते हैं। इसके कंद का वजन 100 से 150 ग्राम तक होता है। इस किस्म में 200 से लेकर 250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

7. इंदम रूबी

यह चुकंदर की अधिक उत्पादन देने वाली किस्म है। यह किस्म बुवाई से 55 दिन के भीतर पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म को रबी और खरीफ दोनों सीजन में उगाया जा सकता है। इस किस्म का कंद गोल और एक समान लाल रंग का होता है। इसके कंद वजन करीब 200 ग्राम होता है। इसके पौधे की ऊंचाई एक फीट तक होती है।

चुकंदर की उन्नत किस्मों की बुवाई का तरीका

चुकंदर की बुवाई दो विधियों से की जाती है। इसमें एक छिटकवां विधि है और दूसरी मेड विधि होती है।

छिटकवां विधि इस विधि में बीजों की बुवाई करने से पहले क्यारियां बनाई जाती है और उसमें बीज छिटक दिए जाते हैं। इससे खाद और मिट्टी के बीच इनका अंकुरण हो जाता है। इस विधि में करीब 4 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज की आवश्यकता होती है।

मेड विधि- इस विधि में बुवाई के लिए 10 इंच की दूरी ऊंची मेड या बेड बनाया जाता है। अब इस पर तीन-तीन इंच की दूरी रखकर मिट्टी में बीजों को लगाया जाता है। इस विधि में अधिक बीजों की जरूरत नहीं होती है। इस विधि से चुकंदर की बुवाई करने पर सिंचाई करने और निराई गुड़ाई का काम आसानी से हो जाता है।

मालामाल कर देगी सागवान पेड़ की खेती,

कुछ सालों में बन जाएंगे करोड़पति

करण वाणी, न्यूज

सागवान के पौधे को 8 से 10 फीट की दूरी पर लगाया जा सकता है. ऐसे में अगर किसी किसान के पास 1 एकड़ खेत है तो वो उसमें करीब 500 सागवान के पौधे लगा सकता है. 12 साल बाद इन पेड़ों की कटाई कर किसान करोड़पति बन सकते हैं।

कम लागत में ज्यादा मुनाफा मिलने की वजह से सरकार किसानों को सागवान के पेड़ों की खेती करने की सलाह देती है. इसकी लकड़ियों की गिनती सबसे मजबूत और महंगी लकड़ियों में होती है.इससे फर्नीचर, प्लाइवुड तैयार किया जाता है. इसके अलावा सागवान का इस्तेमाल दवा बनाने में भी किया जाता है।

सागवान के लिए खेत में कितनी हो दूरी

सागवान की लकड़ियां लंबे समय तक टिकती हैं. इसकी खेती के लिए न्यूनतम 15 डिग्री और अधिकतम 40 डिग्री सेल्सियस का तापमान अनुकूल माना जाता है. इसके अलावा जलोढ़ मिट्टी सागवान की खेती के लिए सबसे बेहतर मानी जाती है. मिट्टी का पीएच 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए.

कौन सा मौसम सागवान की बुवाई के लिए ठीक?

सागवान की बुवाई के लिए मॉनसून से पहले का समय सबसे अनुकूल माना जाता है. इस मौसम में पौधा लगाने से वो तेजी से बढ़ता है. शुरुआती सालों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है. पहले साल में तीन बार दूसरे साल में दो बार और तीसरे साल में एक बार अच्छे से खेत की सफाई जरूरी है, सफाई के दौरान खरपतवार को पूरी तरह खेत से बाहर करना होता है. सागवान के पौधे के विकास के लिए सूर्य की रौशनी अत्यंत आवश्यक होती है. ऐसे में पौधा लगाते वक्त इस बात का भी ध्यान रखें कि खेत में पर्याप्त रोशनी पहुंच सके. नियमित समय पर पेड़ के तने की कटाई-छटाई और सिंचाई करने से पेड़ की चौड़ाई तेजी से बढ़ती है।

सागवान के पेड़ को जानवरों से डर नहीं

सागवान के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं. यही वजह है कि जानवर खाना

पसंद नहीं करते. साथ ही अगर पेड़ की देखभाल ठीक से की जाए तो इसमें कोई बीमारी भी नहीं लगती. इसके विकास में तकरीबन 10 से 12 लगते हैं. किसान एक ही पेड़ से कई सालों तक मुनाफा कमा सकते हैं. सागवान का पेड़ एक बार काटे जाने के बाद फिर से बड़ा होता है और दोबारा इसे काटा जा सकता है. ये पेड़ 100 से 150 फुट ऊंचे होते हैं।

सागवान से करोड़ों में कमाई

अगर कोई किसान 500 सागवान के पेड़ लगाता है तो 12 वर्ष के बाद इसे करीब एक करोड़ रुपये में बेच सकता है. बाजार में 12 साल के सागवान के पेड़ की कीमत 25 से 30 हजार रुपये तक है और समय के साथ इसकी कीमत में बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना है. ऐसे में एक एकड़ की खेती से 1 करोड़ रुपये की कमाई आराम से की जा सकती है।

वीकेंड पर चला फुकरों का जादू

फुकरे 3 अपने बजट की कमाई हासिल करने के बेहद करीब पहुंच गई है, वहीं पहले वीकेंड पर फिल्म का जोरदार कलेक्शन देखने को मिल रहा है।

करण वाणी, न्यूज

पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, मनजोत सिंह और ऋचा चड्ढा फुकरे 3 में अपने मजेदार रोल के साथ वापस लौटे हैं, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है. पहले दिन की जबरदस्त ओपनिंग करते हुए फुकरे 3 ने जो कमाल दिखाया. वह दूसरी दिन कम हो गया. लेकिन एक बार फिर शनिवार को उछाल के साथ फुकरे 3 की कमाई 25 करोड़ पार पहले ही वीकेंड में हो गई है. वहीं तीन दिनों का कलेक्शन काफी अच्छा देखने को मिल रहा है. वहीं उम्मीद है कि संडे को भी यह कलेक्शन जबरदस्त होने वाला है और फिल्म 30 करोड़ का आंकड़ा पहले ही वीकेंड पर पार कर जाएगी।

२बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सचनिल्क के अनुसार, तीसरे दिन फुकरे 3 ने 11.30 करोड़ की शुरूआती कमाई की है. इसके बाद फिल्म की 3 दिनों की कमाई 27.93 करोड़ हो गई है. वहीं दुनियाभर में यह आंकड़ा 30 करोड़ पार हो चुका है. दो दिनों की कमाई देखें तो पहले दिन 8.82 करोड़ की ओपनिंग करते हुए फुकरे 3 ने अपना खाता खोला था. इसके बाद दूसरे दिन 7.81 करोड़ की केवल कमाई फिल्म ने की थी. लेकिन यह नई बॉलीवुड रिलीज के आगे काफी ज्यादा थी।

बता दें, फिल्म फुकरे साल 2013 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. जबकि साल 2018 में फुकरे रिटर्न्स आई थी. दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी. इन तीनों फिल्मों का निर्देशन मृगदीप सिंह लांबा ने किया है. जबकि प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिद्धवानी हैं. हालांकि फुकरे 3 में अली फजल नहीं हैं. जबकि फिल्म का बजट केवल 40 करोड़ का है, जो कि एक हफ्ते में फिल्म हासिल कर सकती है।

शहनाज गिल की बात पर हाय-तौबा, उठी बायकॉट की मांग

टाउन एक्ट्रेस शहनाज गिल का इन दिनों अपनी अकमिंग मूवी थैंक्यू फॉर कमिंग के प्रमोशन में लगी हुई हैं। जिसके चलते एक्ट्रेस का नाम जमकर लाइमलाइट बटोर रहा है। इस बीच शहनाज गिल का एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें उन्होंने कुछ ऐसा बोल दिया है जिसको लेकर अब वह ट्रोल हो रही हैं।

सलमान खान के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 13 से अपनी खास पहचान बनाने वालीं शहनाज गिल मौजूदा समय में अपनी आने वाली फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' के प्रमोशन में लगी हुई हैं। इस बीच शहनाज गिल का एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है,

जिसमें एक्ट्रेस के मुंह से कुछ ऐसी बातें निकल गई हैं। अब इस वीडियो को लेकर शहनाज गिल को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

शुक्रवार को शहनाज गिल की आने वाली फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' के प्रमोशन को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई। इस दौरान शहनाज गिल से एक ऐसा सवाल पूछा गया है, जिस पर एक्ट्रेस ने बेतूकी बात कह दी है। टेली चक्कर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है।

शहनाज का ये वीडियो दिल्ली में हुए फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' के प्रमोशन के दौरान का है। इस मौके पर शहनाज के अलावा फिल्म निमार्ता रिया कपूर की बहन और बी टाउन एक्ट्रेस सोनम कपूर भी मूवी की अन्य स्टार कास्ट भूमि पेडनेकर, कुशा कपिला और डॉली सिंह के साथ नजर आईं। गौर करें 'थैंक्यू फॉर कमिंग' की रिलीज डेट की तरफ तो आने वाले 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शनिवार को 'जवान' की ताबड़तोड़ कमाई

शाहरुख खान की 'जवान' को वीकेंड पर ऑफर का फायदा मिला है। फिल्म ने शनिवार को खिड़की तोड़ कमाई की है।

करण वाणी, न्यूज

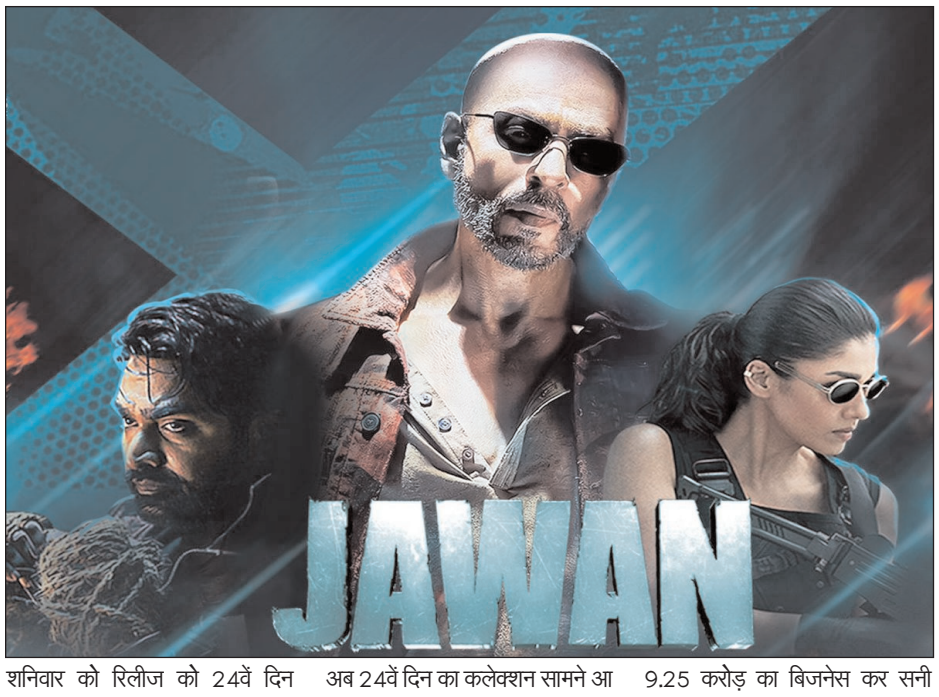

शाहरुख खान की जवान का जलवा एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर देखने को मिल रहा है जो पिछले कुछ दिनों से फिल्म की हालत बेहद खराब थी वहीं, अब फिल्म ने वीकेंड पर अच्छा कलेक्शन किया है। जवान ने लास्ट संडे को छप्पर फाड़ कमाई की थी इसके बाद फिल्म की रफ्तार धीमी हो गई थी। 5 करोड़ से ज्यादा का जवान वीकडेज में कलेक्शन कर ही नहीं पा रही थी।

ऐसे में मेकर्स ने एक टिकट पर एक फ्री ऑफर की अनाउंसमेंट भी की जिसका फायदा वीकेंड पर फिल्म को मिला। रूंल्ल" की अर्ली ट्रेड एनालिसिस के अनुसार फिल्म ने 30 सितंबर शनिवार को रिलीज को 24वें दिन काफी शानदार कलेक्शन किया है। साथ में एक बार फिर इतिहास भी रच दिया है आईये जानते हैं फिल्म ने ऐसा क्या कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जहां फिल्म ने रिलीज के 23वें दिन महज 5.05 करोड़ का कलेक्शन किया था तो वहीं अब 24वें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। इसके मुताबिक 'जवान' ने 24वें दिन शनिवार को 9.25 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 596.20 करोड़ हो गया है।

शाहरुख खान की फिल्म जवान ने अपनी रिलीज के चौथे शनिवार को 9.25 करोड़ का बिजनेस कर सनी देओल की ब्लॉकबस्टर गदर 2 का रिकॉर्ड तोड़ते हुए इतिहास रच दिया है। दरअसल सनी देओल की फिल्म ने अपनी रिलीज के 24वें दिन वीकेंड होने के बावजूद भी 7.8 करोड़ रुपए ही कमाए थे जबकि जवान ने लगभग 10 करोड़ कमाए हैं।

अर्धनारीः किन्नर समाज के साथ सहानुभूति क्यों नहीं दिखलाता समाज

लखनऊ मिस ट्रांस क्वीन प्रियंक सिंह किन्नर से गरिमा सिंह की खास बातचीत, प्रियंका सिंह एक सोशल वर्कर एक्टिविस्ट और उत्तरप्रदेश स्तर पर किन्नर समाज का प्रतिनिधित्व करती हैं।

गरिमा सिंह/करण वाणी

ये बहुत बड़ी विडम्बना है कि बिना किसी गलती के असीम यातनाओं की सजा उन्हें क्यों दी जाती है और कौन इसके लिए जिम्मेदार है। जिस तरह से कुछ लोग जन्मान्ध तथा कुछ शरीर और दिमाग की विमारियों के साथ पैदा होते हैं। उसी प्रकार कुछ ऐसे लोग भी हैं, जिनके जन्म के साथ हुई दैवी घटनाओं के कारण कुछ ऐसा शारीरिक विकार होता है जिसकी वजह से उन्हें उनका परिवार, समाज और कानून, कोई भी उन्हें मनुष्य तक समझने की संवेदना नहीं दिखालाता है। यहाँ तक कि उनका सम्बोधन भी एक असम्मानित तरीके सेकिया जाता है। जी हाँ, मैं जिनकी बात कर रही हूँ उनको समाज कई तरह से सम्बोधित करता है जिसमें मुख्य है ञ्ज हिजड़ा, किन्नर, नपुंसक, छक्का, थर्ड जेण्डर, उभयलिंगी आदि। विकलांग पैदा होने वाले लोगों को तो परिवार, समाज और कानून संरंक्षण देता है, उनकेसाथ सहानुभूति रखता है किन्तु किन्नर, हिजड़ा या नपुंसक के साथ कोई भी सहानुभूति नहीं दिखलाता है। किन्नर समुदाय इसी समाजका हिस्सा है, लेकिन अभी भी उनको समाज में अलग ही नजर से देखा जाता है, अभी भी किन्नर समाज को समाज में वह सम्मान नहींमिलता, जो उनको मिलना चाहिए।

इसी मुद्दे पर लखनऊ मिस ट्रांस क्वीन प्रियंक सिंह किन्नर से खास बातचीत की, प्रियंका सिंह एक सोशल वर्कर एक्टिविस्ट और उत्तरप्रदेश के स्तर पर किन्नर समाज का वो प्रतिनिधित्व करती हैं!

प्रियंक सिंह किन्नर से बातचीत

सवाल- शुरूआत से तो प्रियंका, प्रियंका नहीं थी, दस साल पहले आप क्या थी? आपका नाम प्रियंका से पहले क्या था?

जवाब- शिव सिद्धार्थ के नाम से मुझे जाना जाता था। शिव मेरा घर का नाम था। मेरी लाइफ में कुछ चीजें ऐसी होने लगी जिनकी वजहसे मुझे लगा घर से थोड़ा सा डिस्टेंस बना करके हम अपनी लाइफ को स्टार्टअप करें।

सवाल- आपको कब पता चला कि आप स्ट्रेट नहीं है? आपने उस समय क्या महसूस किया और आपकी फैमिली ने क्या महसूस किया?

जवाब- 2010 में 2012 में मेरा एक फ्रेंड था, और वो लखनऊ मैं रहता था। तो हम अपने घर से उसे चोरी चोरी मिलने जाते थे। तो 1 दिन मिलने गए और काफी लेट हो गए, हम सो गए वही उसके घर पे। 9:30 बज गए। और हम एकदम से जल्दी से उठे घर वापसी मेंपहुंचे। जब घर पहुंचे तो, घर का माहौल बहुत ही भय वाला था, डरावना था, आते ही इतनी सारी चीजें मैंने सुनी, पेरेंट्स ने भी मुझे बहुतकुछ बोला। कुछ ऐसी बातें थीं, जो मेरे दिल को एकदम छन्नी करके रख दिया। ऐसा लग रहा था, कि एकदम नथिंग। मेरा स्कूल बैगथा, और फिर मैंने कुछ अपने कपड़े रखें। और जब हम घर से निकले, तो मेरे पास सिर्फ ?500 थे। मैंनेञ्जएक एजेस कॉल सेंटर हैं, हजरतगंज में। वहाँ मैंने ज्वॉइन करा, चार पांच फ्रेंड थे। मेरे पास रेंट का भी पैसा नहीं था। उस टाइम काउंटिंग करके, राशन वगैरह लाएँ, खाने पीने का सारा कुछ करें, वहाँ पे यह था, कि दिन की ट्रेनिंग होती थी, जो फ्री ऑफ कॉस्ट थी। मतलब उसका कोई पेमेंट नहींमिलता था, तो हम लोग करते रहे।

सवाल- जब आप कॉल सेंटर में जॉब कर रही थी तो वहाँ का स्टाफ जानता था कि आप शिव है।

जवाब- हाँ, वहाँ पर कॉल्स का एक प्रेशर रहता है, कि आपको इतने कॉल्स अटेंड करने हैं, एक दिन हम कॉल सेंटर पहुँचें और उस दिनमैंने कुछ नहीं खाया था, डायरेक्ट हम पहुंचे ही थे, अभी टीएल आया, उसमें बहुत बत्तमीजी से मुझसे बात की और मुझे गुस्सा आया, उसदिन पहली बार हमने इसी वर्कप्लेस में ताली बजायी, उसके बाद मैंने वहाँ का हेडफोन अपने कान से हटाया, वही टेबल पर रख दिया, उसके बाद से आज तक हम कही जॉब पर नहीं गए। फिर मैंने एक दिन मम्मी को फोन किया मम्मी से मैंने बात की। फिर मैंने अपने आपको सारा कुछ बता दिया।

तो उनका रिएक्शन पहले तो बहुत निगेटिव रहा। थोड़े दिन तक, डेढ़ साल तक नेगेटिव रहे। काफी ज्यादा हद तक और फिर धीरे धीरे वोलोग एक्सेप्ट करने लगे।

सवाल- अब घर पर प्रियंका बनके जाती हो या शिवा बनके

जवाब- पहले तक था, कि हाँ। शिव बन के जाते थे। फिर बाल बड़े हो गए, सारी चीजें हो गई धीरे धीरे। बस यही है, की जिस गेटअप मेंआपके सामने बैठे हैं, इस गेटअप में अपने घर जाते हैं।

सवाल- किन्नर या ट्रांसजेंडर! इनके दिल में दर्द बहुत होता है। क्या प्रियंका के अंदर दर्द है?

जवाब- अगर हम अपनी कम्युनिटी को लेकर बात करे तो, सिर्फ यह मेरा ही दर्द नहीं है। मेरी कम्युनिटी के हर उस मेंबर का दर्द है।जिन्होंने सारी चीजें रियलाइज करा, सारी चीजें फील करा। अब मैंने जो पार्टियां रखी ना, इसका मोटिव ये भी था, कि आज जो आपलखनऊ में कम्युनिटी को इतना ओपन देखते हो, गे कम्युनिटी हो गई, समलैंगिक। लेस्बियन वगैरह। खुला घूम रहे हैं, चारबाग में। फ्रीमाइंड से सब घूमते है। पहले ये सब नहीं घूम सकते थे, धीरे धीरे मैंने लोगों को खोला, लोगों के बीच संपर्क बनाया। लखनऊ के बहुतसारे किन्नर, प्रियंका का क्या दर्द है? वही आ रहे हैं, हाँ! है ना। तो पार्टियां रखा, तो वहाँ पे लोग अपना परेशान है, डिप्रेशन में रहतेथे। तो वहाँ दो चार या पांच घंटे के लिए सब लोग इकट्ठा होते थे, नाश्ता करते थे, अपने स्ट्रेस को दूर करते थे।

मैं जहाँ तक देखती हूँ, समाज कहीं ना कहीं दूरी बनाता है। और आज के टाइम पे। हम देखते हैं, जो पढ़ा लिखा समाज है वो जुड़ता है, मेरी बहुत सारी लड़कियां दोस्त है, बहुत प्यार से मिलती है, बातचीत करती है, सोशल मीडिया पर जुड़ी स्टोरीज वगैरह लगाती है। दीदी, बुआ, मौसी बोलती है।

सवाल- फ्यूचर में लखनऊ के ट्रांसक्वीन, प्रियंका सिंह अपने आप को कहाँ देखना चाहती है?

जवाब- कुछ भी शाम दाम दंड भेद लगा करके अगर प्रियंका ने ये ठान लिया, अगर ये मैंने सोच लिया, कि ये चीज मुझे चाहिए तोचाहिए, तो मुझे चाहिए। एक छोटा सा फुलझड़ी का या नीम का या करेले का एक फूल छोटा सा।

सवाल- राजनीति में आने का विचार कैसे आया

जवाब- इस सवाल का जवाब देते हुए प्रियंका ने कहा, मैं लखनऊ की ट्रांस एक्टिविस्ट हूं। राजनीति में बहुत पहले से हूं। 2022 केयूपी विधानसभा चुनाव से ज्यादा एक्टिव हुई हूं। जब भी अपने घर से निकलकर रेड लाइट पर खड़े बच्चों को देखती हूं, तो दुख होता है। इसलिए मैंने फैसला किया कि राजनीति में आकर अपने समाज के साथ अन्य मजबूर लोगों के दुख को दूर करूंगी।

सवाल- आप खुद को समाज सेविका कहती हैं। अब तक आपने अपने समाज और बच्चों के लिए क्या किया?

जवाब- इसके जवाब में प्रियंका ने कहा, मैं शिव फाउंडेशन चलाती हूं। किन्नर समाज के अधिकारों के लिए लड़ती आई हूं। जबभी उनके साथ अन्याय होता दिखा मैंने लीगल एक्शन लिया। इसके साथ ही मैं गरीब बेटियों का कन्यादान करती हूं। कोरोना काम में43 दिनों तक गरीबों को खाना खिलाया, सैनिटरी पैड बांटे। किन्नर समुदाय के 3 हजार लोग जुड़े हैं।

राजनयिक के साथ खालिस्तानियों ने की बदसलूकी! भारत ने जताई सख्त आपत्ति

स्कॉटलैंड में उच्चायुक्त को रोके जाने की घटना पर भारत सरकार ने नाराजगी जताई और ब्रिटेन के सामने उठाया है, सरकार ने खालिस्तानी समर्थकों की करतूत पर आपत्ति जताई, जब यह घटना हुई, तब भारतीय उच्चायुक्त एक गुरुद्वारा जा रहे थे, तभी उन्हें सड़क पर घेर लिया गया।

करण वाणी, न्यूज

स्कॉटलैंड में भारतीय उच्चायुक्त के साथ बदसलूकी का मामला तूल पकड़ गया है. भारत सरकार ने नाराजगी जताई है और इस मामले को ब्रिटेन के सामने उठाया है. भारत सरकार ने खालिस्तानियों की करतूत का विरोध किया है. यह घटना खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच बड़े राजनयिक विवाद के बीच हुई है।

बता दें कि स्कॉटलैंड में खालिस्तानी समर्थकों ने खुलेआम सड़क पर उत्पात मचाया था और भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी को घेर लिया था. उन्हें कार से नीचे नहीं उतरने दिया था. भारतीय उच्चायुक्त वहां गुरुद्वारे में दर्शन करने जा रहे थे. लेकिन उन्हें प्रवेश करने से रोक दिया गया।

घटना की सूचना तुरंत स्कॉटलैंड पुलिस को दी गई. हालांकि, उच्चायुक्त सुरक्षित हैं. हंगामे को देखते हुए एहतियात बरता गया. इस मामले को भारत सरकार ने यूके विदेश कार्यालय के समक्ष उठाया है।

खालिस्तान समर्थक एक सिख कार्यकर्ता ने बताया कि कुछ लोगों को पता चला था कि दोरईस्वामी यहां अल्बर्ट ड्राइव पर ग्लासगो गुरुद्वारा में कमेटी के साथ एक बैठक करने जा रहे हैं. मौके पर कुछ लोग आए और उनसे कहा कि यहां आपका स्वागत नहीं है तो वो चले गए. हल्की नोकझोंक हुई. मुझे नहीं लगता कि जो कुछ हुआ, उससे गुरुद्वारा कमेटी बहुत खुश है. लेकिन ब्रिटेन के किसी भी गुरुद्वारे में भारतीय अधिकारियों का स्वागत नहीं है।

भारतीय उच्चायुक्त का रास्ता रोकने वाले खालिस्तानियों की खैर नहीं

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी का ग्लासगो गुरुद्वारा में प्रवेश करने से रोकने पर ऋषि सुनक सरकार सख्त है। ब्रिटिश सरकार ने इस मामले को लेकर भारत को कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। उधर गुरुद्वारा ने कहा है कि वीडियो में दिख रहे दोनों शख्स समिति का हिस्सा नहीं हैं।

लंदनः ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त का रास्ता रोकने वाले खालिस्तानी चरमपंथियों की शामत आने वाली है। ऋषि सुनक सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि उन्होंने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। ब्रिटेन ने भारत को आश्वासन दिया है कि इस कृत्य में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में दो खालिस्तानी चरमपंथियों ने एक गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोक दिया। सिख यूथ यूके नाम के एक इंस्टाग्राम चैनल पर पोस्ट किए गए एक कथित वीडियो में एक खालिस्तानी चरमपंथी को विक्रम दोराईस्वामी को अल्बर्ट ड्राइव पर ग्लासगो गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोकते हुए देखा जा सकता है।

घटना के बाद भारत ने ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के समक्ष राजनयिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। ब्रिटेन ने भी भारत को अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। एक शीर्ष ब्रिटिश अधिकारी ने कहा कि ब्रिटेन में गुरुद्वारे भारतीय राजनयिकों और भारतीय समुदाय का बहुत स्वागत करते हैं। केवल कुछ कट्टरपंथी लोग इसे सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने और खुद को इस उद्देश्य के लिए साबित करने के अवसर के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं।

गुरुद्वारा समिति के सदस्य नहीं थे दोनों खालिस्तानी

सूत्रों ने कहा कि नियमित संपर्क के एक हिस्से के रूप में और अन्यथा भी ब्रिटेन के गुरुद्वारा समितियों में भारतीय राजनयिकों के लिए बहुत अच्छी समझ और पारस्परिक सम्मान है।

अफगान दूतावास ने भारत में बंद किया कामकाज

करण वाणी, न्यूज

अफगान दूतावास की तरफ से कहा गया है कि काबुल में वैध सरकार काम नहीं कर रही और भारत की तरफ से जरुरी मदद नहीं मिली. संसाधनों की कमी के चलते कर्मचारियों की तादाद कम करनी पड़ी, जिससे जरूरी कामकाज में दिक्कत बढ़ती गई. भारत में अफगानिस्तान के दूतावास का कामकाज 1 अक्टूबर यानी कि आज से बंद करने का ऐलान किया गया है. अफगानिस्तान ने मेजबान देश भारत से सहयोग नहीं मिलने का दावा किया है. शनिवार रात को उन्होंने घोषणा की कि वह एक अक्टूबर से यहां अपना कामकाज बंद कर रहे हैं, अफगान दूतावास ने एक बयान में कहा कि उसे इस फैसले के ऐलान पर बहुत अफसोस हो रहा है. बहुत ही दुख और निराशा के साथ नई दिल्ली में अफगानिस्तान दूतावास अपना कामकाज बंद करने के इस फैसले का ऐलान कर रहा है. दूतावास ने मिशन को प्रभावी तरीके से नहीं चला पाने के कुछ कारण अपने बयान में बताए. उसने आरोप लगाया कि उसे मेजबान देश से अहम सहयोग की कमी महसूस हो रही है जिसकी वजह से वह प्रभावी तरीके से अपना काम नहीं कर पा रहा. दूतावास ने अफगानिस्तान के हितों को पूरा करने में अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने की भी बात कही है।

दूतावास बंद करने के 3 बड़े कारण

दूतावास की तरफ से कहा गया है कि मेजबान देश भारत की तरफ से इस मुश्किल समय में जो मदद मिलनी चाहिए वो नहीं मिली. दूतावास के तौर पर अफगानिस्तान के नागरिकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में नाकाम रहे क्योंकि काबुल में वैध सरकार काम नहीं कर रही और भारत की तरफ से जरुरी मदद नहीं मिली. संसाधनों की कमी के चलते दूतावास के कर्मचारियों की तादाद कम से कमतर करना पड़ा जिसे जरूरी कामकाज चलाने में दिक्कत बढ़ती गई. अफगानिस्तान के राजनियकों के वीजा के नवीनीकरण में भी दिक्कत आई और इससे कामकाज पर असर पड़ा।

दूतावास पर अफगानी झंडा लगाए रखने की मांग

इन वजहों से दूतावास बंद कर इसे मेजबान देश के हाथों सौंपे जाने का फैसला किया गया. इसमें इस बात का

खंडन किया गया है कि अफगानिस्तान के राजनयिक दूसरे देशों में शरण लेने कोशिश में करते रहे हैं. दूतावास की तरफ से इसे बंद करने के पहले की सूचना के वेरिफि केशन की मांग भी की गई है. हालांकि दूतावास पर अफगानिस्तान के झंडे को लगाए रखने की मांग की गई है. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान की.. न कि इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान की (तालिबान के टेकओवर के बाद का नाम). भारत सरकार के साथ दूतावास एक समझौता करने को तत्पर है ये बात भी कई गई है।

'फैसला अफसोसजनक लेकिन सोच कर लिया'

अफगान दूतावास की तरफ से कहा गया है कियह फैसला बेहद अफसोसजनक है लेकिन भारत और अफगानिस्तान के बीच ऐतिहासिक संबंधों और लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श करने के बाद लिया गया है. बता दें कि भारत में अफगान दूतावास का नेतृत्व राजदूत फरीद मामुंडजे ने किया है. उनको अफगानिस्तान की पिछली अशरफ गनी सरकार ने नियुक्त किया था. अगस्त 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने के बाद भी वह अफगान दूत के रूप में काम कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800